Dainik Bhaskar (Indore), 12th December 2023, Page – 02

निष्कर्ष • 80 किमी की गति में सहज रहते हैं ड्राइवर, मोड़ पर बिगड़ता है संतुलन

हाईवे की ज्यॉमेट्री पर आईआईटी की रिसर्च

तीखे मोड़ कम हो तो ज्यादा सुरक्षित होगा सफर

सौदामिनी मुजुमदार | इंदौर

आईआईटी इंदौर पहली बार सड़क की ज्यॉमेट्री और ड्राइवर के व्यवहार पर अनूठी रिसर्च कर रहा है। इसके तहत हाईवे पर चलने वाली गाड़ियों में विशेष उपकरण लगाकर ड्राइविंग के दौरान ड्राइवर के व्यवहार का आकलन किया जा रहा है। अब तक इंदौर-मुंबई हाईवे पर 34 ड्राइवर्स पर यह शोध किया जा चुका है। हर बार 140 किमी के सफर का आकलन किया गया है।

इसमें यह बात सामने आई है कि हाईवे पर ड्राइवर 80 किमी प्रति घंटे की गति में गाड़ी चलाने में सबसे सहज होते हैं, लेकिन सड़क पर लगातार आने वाले मोड़ और घुमाव से उनका व्यवहार बदल जाता है। खासकर अचानक आने वाले मोड़ पर वे तय गति से अधिक पर गाड़ियां चलाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बढ़ जाता है। टीम इस शोध के निष्कर्ष से एनएचआ को अवगत कराएगी, ताकि हाईवे में सुधार कर सकें।

80% ड्राइवर तय सीमा से तेज चलाते हैं

शोध कर रहे डॉ. गौरव सिल ने कहा कि फोर लेन राजमार्ग पर 80% से अधिक चालक तय गति सीमा से तेज गाड़ी चलाते हैं। 80 की स्पीड पर ड्राइवर सहज महसूस करते हैं। गाड़ी चलाते समय जब भी सड़क पर कोई अनपेक्षित मोड़ आता है, तो गति, ब्रेक का उपयोग, लेन की स्थिति का आकलन करते हैं। मोड़ पर वे ज्यादा धीमे कर लेते हैं, इससे असुरक्षा झलकती है।

उद्देश्य यही- कैसे सुरक्षित हो हाईवे

इस पूरे शोध का उद्देश्य हाईवे को और अधिक सुरक्षित बनाना है। सड़क डिजाइन करते समय किन बातों का ध्यान रखा जाए, जिससे किसी भी प्रकार से वाहन चालक चौंके नहीं। शोध के लिए ड्राइवर के व्यवहार के आकलन के लिए जो उपकरण गाड़ियों में लगाया गया है, वह प्लेन के ब्लैक बॉक्स की तरह ड्राइवर की हर एक्टिविटी रिकॉर्ड करता है।